OXYTOCIN: एक ममतामई हार्मोन

23 जनवरी 2021 सुबह 8 बजे की बात है जब एक कॉल आया और एक अजेंट पेशेंट को देखने जाना पड़ा जब हम उनके घर पहुंचे बातचीत हुई तो हमारी 54 वर्षीय मरीज़ की एक लाइन ने हमे मजबूर कर दिया ये आरटिकल लिखने में, इन माताजी को हम 20 दिन से होम विजट पर होम्योपैथी से ट्रीट कर रहे है जो कि एक गले के कैंसर का सस्पेक्टेड केस है, यहां हमें कम से कम 10 विजिट हो गए और आज तक पास में रह रही उनकी बच्ची को आते नहीं देखा कि मां कैसी है उनको क्या हुआ है ओर उनका क्या ट्रीटमेंट चल रहा पर वो बुजुर्ग औरत इस हाल में भी इस बच्ची का सोच रही थी कि अभी वो छोटी है उसकी शादी करनी है और कुछ बुरा ना बोल रही अपनी बच्ची के बारे में।

हमे ऑक्सीटोसन के बारे में फर्स्ट ईयर से ही पढाया गया और धीरे धीरे पता चला कि ये हामोन हैप्पी हार्मोन भी है और लव हार्मोन के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि ये हर तरह के रिलेशन को मेनटेन करता है और क्योंकि ये महिलाओं में ज्यादा बनता है इसीलिए महिलाएं रिलेशन ज्यादा बना रखती है और ज्यादा इमोशनल ओर अटैच होती है। बच्चे के जन्म से ही इसका नाता जुड़ा होता है जहां जब एक औरत प्रेगनेंट होती है तो ये हार्मोन वजन बढ़ाता है और बच्चे को एनर्जी प्रदान कराता है साथ ही मां को ओर जजमेदर बनाता है जिससे की मां अपना ओर अपने होने वाले बच्चे का अच्छे से ध्यान रख सके और प्रसव के समय ये गर्भाश्य के कॉन्ट्रैक्शन करा के बच्चे का सफलतापूर्वक जन्म कराता है, इतना ही नहीं इसके बाद मां के सट्रेस को कम करना साथ ही प्रसव के दौरान होने वाली पीड़ा को भी कम करता है।

नई होने वाली रिसर्च में ये पाया गया है कि मां जब अपने बच्चे को गले लगाती है तो ऑक्सीटोन निकलता है ओर मां और बच्चे के बीच एक बोंड बनाता है और इसीलिए ये मां के अंदर अपने बच्चे के बीच ममता को पैदा करता है।

Author: Dr. A.P.S. Chhabra

MD (PGR, Practice of Medicine, Homoeopathy University, Jaipur)

Dr. Tulika Shikha

MD (PGR, Paediatrics, Homoeopathy University, Jaipur)